दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 9792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 16.12.2019

अतिथि व्याख्यान
गोरखपुर 16 दिसम्बर 2019

किसी भी देश की वर्तमान पीढ़ी का यह महत्वपूर्ण दायित्व है कि वह अपने देश व अपने समाज के अतीत की गहन समीक्षा करें और उसे प्राप्त होने वाले शिक्षाओं से भविष्य का निर्माण करें। 16 दिसम्बर का विजय दिवस भारतीय सशक्त सेनाओं ही नही नौजवानों के लिए गर्व का विषय है लेकिन इस परिप्रेक्ष्य में हमें वर्तमान दौर की चुनौतियों तथा उसमें अपनी कर्तव्य का भी मूल्यांकन करते रहना है।

उक्त विचार आज दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित बांग्लादेश विजय के उपलक्ष्य में आयोजित 'विजय दिवस' समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ.श्रीभगवान सिंह ने व्यक्त किये। डॉ. सिंह ने आगे कहा 1971 में भारत की विजय एवं बांग्लादेश के निर्माण में पूरी दुनिया में भारत को सपेरों और सन्यासियों का देश समझने वालों की नजर में एक दुनिया के सैन्य ताकत के रूप में हो गयी। ढांका छावनी 93000 पाकिस्तानी सैनिकों का पाकिस्तान कें ले.जनरल नियाजी के नेतृत्व में भारतीय सेना के ले.जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के सामने आत्म समर्पण दोनों देशों के लिए ऐतिहासिक दिन है लेकिन जहां भारत के लिए वह गर्व करने का दिन है वहीं पाकिस्तान के लिए शर्म का दिन है। ऐसे अवसरों पर हमें अपने शहीदों को नमन करने और सम्मान देने के साथ–साथ वर्तमान में अपने कर्तव्यों की समीक्षा का दिन भी होता है। आज हमारी सेनाएं तो अपने दायित्व में पूरी तरह सक्षम और जागरूक है किन्तु देश के आन्तरिक मोर्चे पर हमें अपने–अपने क्षेत्रों में अपने–अपने कार्यों को ठीक से सम्पादित करने के साथ–साथ देश को कमजोर करने वाले अराजक लोगों व उनकी मानसिकता पर पैनी नजर रखनी होगी। आज जम्मू कश्मीर के आतंकवाद को कुचलने धारा 370 समाप्त कर जम्मू कश्मीर के विकास का मार्ग प्रशस्त करने, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के 70 वर्षों से पीड़ित शरणार्थियों को नागरिकता और सम्मानित जीवन का अधिकार देने तथा देश में लाखों अवैध घुसपैठियों देश से बाहर खदेड़ने जैसी राष्ट्रीय सुरक्षा से सम्बन्धित महत्वपूर्ण निर्णयों में बाधा पहुॅचाने वाले लोगों और पार्टियों को हमें करारा जबाब देना होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने विभाग की सभी छात्र–छात्राओं को सीमा सुरक्षा के साथ–साथ गृह मोर्चे पर अपने दायित्वों के प्रति सचेत किया एवं विभाग की यशस्वी परम्पराओं को आगे बढ़ाने तथा ऐसे महत्वपूर्ण दिवसों के माध्यम से उन्हें प्रेरित करने के लिए उन्हें धन्यवाद भी दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं विषय की प्रस्ताविकी विभागीय प्रभारी डॉ.आर.पी.यादव ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभागीय प्राध्यापक डॉ.इन्द्रजीत कुमार तथा डॉ.संजीव कुमार सिंह, डॉ.चण्डी प्रसाद पाण्डेय, डॉ.दीपक साहनी, डॉ. सुनील सिंह, डॉ.संजीत कुमार सिंह आदि प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

डॉ.(आर.पी.यादव)
प्रभारी,
रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग